

of rice supplied by the F.C.I. to the Government of West Bengal. These include —

- (i) pre-delivery inspection ;
- (ii) better storage and cleaning facilities;
- (iii) segregation of sub-standard stocks; and
- (iv) joint inspection at selected despatching points.

भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूँ की बसूली और उसके खतियों (साइलो) में रचना

151. श्री नाथूराम अहिरवार :
श्री श्रीकिसान मोदी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष विभिन्न राज्यों से बसूल किए गए गेहूँ की मात्रा निर्धारित लक्ष्य की तुलना में कम थी अथवा अधिक और उसकी प्रतिशतता कितनी थी ;

(ख) क्या बसूल किए गये गेहूँ को खतियों (साइलो) में रखा गया है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा-साहिब पी० शिन्डे) : (क) इस वर्ष गेहूँ की अधि-प्राप्ति के लिए ऐसा कोई 'लक्ष्य' नहीं था । तथापि, वास्तव में अधिप्राप्त मात्रा जोकि 50 लाख मी० टन है, अधिप्राप्त की जाने वाली प्रत्याशित मात्रा से कम है ।

(ख) अधिप्राप्त गेहूँ को साइलो समेत विभिन्न प्रकार के गोदामों में रखा जाता है ।

(ग) उपर्युक्त (ख) की दृष्टि में प्रश्न ही नहीं उठता ।

गेहूँ की बसूली

152. श्री नाथूराम अहिरवार : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय खाद्य निगम ने गत वर्षों की तरह इस वर्ष गेहूँ की बसूली कितनी मात्रा में की ;

(ख) उसमें से सहकारी समितियों के माध्यम से और सीधे व्यापारियों से क्रमशः कितनी कितनी मात्रा में गेहूँ की बसूली की गई ;

(ग) क्या सरकार को इस आशय की शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि सीधे गेहूँ की बसूली करते समय, खाद्य निगम के कर्मचारियों ने किसानों से गेहूँ न खरीदकर व्यापारियों से गेहूँ खरीदी थी ; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में क्या कार्यवाही की गयी है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा-साहिब पी० शिन्डे) : (क) भारतीय खाद्य निगम ने 27-7-72 को उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार चालू मौसम के दौरान 49.94 लाख मीटर टन गेहूँ अधिप्राप्त किया है ।

(ख) निगम कार्तकारों से या तां सीधे या त्रय एजेंटों के रूप में सहकारी समितियों और अन्य पार्टियों के माध्यम से मूल्य साहाय्य उपाय के रूप में गेहूँ की खरीदारी कर रहा है । व्यापारियों से गेहूँ का कोई स्टॉक नहीं खरीदा जाता है । भारतीय खाद्य निगम द्वारा सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदे गए स्टॉक के व्योरे एकत्रित किए जा रहे हैं ।

(ग) ऐसी कोई विशिष्ट शिकायत प्राप्त नहीं हुई है ।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

गेहूँ को लाने से जाने के लिए माल डिब्बों का उपलब्ध न होना

153. श्री नाथूराम अहिरवार : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गेहूँ को लाने से जाने के लिए पर्याप्त संख्या में माल डिब्बे उपलब्ध नहीं हैं ;

(ख) क्या माल डिब्बों की कमी के कारण अनेक स्थानों पर रेलवे स्टेशनों पर अनाज जमा पड़ा है ; और

(ग) क्या सरकार इस स्थिति से अवगत है और यदि हां, तो इस सम्बन्ध में उसके द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?